बर्षः- 06
अंकः- 98
मुरादाबाद
(Tuesday)
28 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

छह महीने में सजा, 10 साल जेल और एक करोड़ का जुर्माना: लोकसभा में एंटी-पेपर लीक बिल पेश

नीट पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने लोकसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। इसमें पेपर लीक पर 5 से 10 साल तक जेल और 50 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। संगठित अपराध पर 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना, दो महीने में जांच और तीन महीने में फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई का प्रस्ताव है।देशभर में नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए छात्र आंदोलनों और शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवालों के बीच केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। इस विधेयक में पेपर लीक और परीक्षा में धांधली करने वालों के खिलाफ पहले से कहीं ज्यादा सख्त सजा का प्रस्ताव रखा गया है।

विधेयक को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में पेश किया। इस दौरान विपक्ष छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में नारेबाजी कर रहा था। 10 साल तक जेल और 50 लाख रुपये तक जुर्माना- प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति पेपर लीक या सार्वजनिक परीक्षा में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा जाता है तो उसे कम से कम 5 साल और अधिकतम 10 साल तक की जेल हो सकती है। साथ ही 50 लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा। अगर मामला संगठित अपराध से जुड़ा हुआ पाया जाता है तो दोषियों को कम से कम 7 साल की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माना भरना होगा। मौजूदा कानून से कैसे अलग है नया प्रस्ताव?

वर्तमान कानून के तहत पेपर लीक और नकल जैसे मामलों में 3 से 5 साल तक की जेल का प्रावधान है। वहीं संगठित तरीके से परीक्षा में धांधली करने वालों के लिए 5 से 10 साल की सजा और कम से कम 1 करोड़ रुपये जुर्माने का प्रावधान है। अब सरकार ने सामान्य पेपर लीक के मामलों में भी सजा और जुर्माने को और अधिक कड़ा करने का प्रस्ताव रखा है। विधेयक पेश होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के कई वरिष्ठ नेताओं को इस पर बोलने के लिए आमंत्रित किया,

लेकिन कोई सदस्य नहीं बोला। इसके बाद उन्होंने कहा कि सभी दल लंबे समय से नीट पेपर लीक पर चर्चा की मांग कर रहे हैं और यह विधेयक परीक्षा व्यवस्था सुधारने की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने विपक्ष से नारेबाजी के बजाय चर्चा में भाग लेने और सुझाव देने की अपील की। हालांकि हंगामा जारी रहने पर सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP सदस्यों की कथित होटल पार्टी का वीडियो वायरल, क्या उठे सवाल?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP सदस्यों का कथित होटल पार्टी वीडियो वायरल हो गया। वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर संगठन की कार्यशैली, नेतृत्व और आंदोलन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।दिल्ली के जंतर-मंतर पर कई दिनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का एक कथित होटल पार्टी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद संगठन की कार्यशैली, नेतृत्व और आंदोलन की फंडिंग को लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। वीडियो को वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया है, जिसके बाद आंदोलन और संगठन को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। वीडियो में क्या दिखाई दे रहा है? NEET-UG परीक्षा में कथित धांधली के खिलाफ कई सप्ताह तक चले आंदोलन के बाद 25 जुलाई 2026 को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को छात्रों की बड़ी जीत बताया गया। एक कथित वीडियो वायरल हुआ, जिसमें CJP के कुछ लोग एक होटल में पार्टी करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में जश्न का माहौल दिखाई दे रहा है, जहां नाच-गाना भी चल रहा है। वीडियो शेयर करते हुए महेश जेठमलानी ने सवाल उठाया कि क्या वास्तव में ऐसा हो रहा है और क्या CJP नेतृत्व दिल्ली के एक होटल में पार्टी कर रहा है।

छात्रों पर नहीं, हमलावरों पर करें कार्रवाईः कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सरकार पर हमला; PM मोदी से क्या कहा?

बिहार में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान एके-47 से गोलियां चलाने के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से छात्रों से माफी मांगने और उन पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ एके-47 राइफल के इस्तेमाल के आरोपों को लेकर सोमवार को मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने मांग की कि छात्रों पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। राहुल गांधी ने यह भी मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों से माफी मांगें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झूठी है और उसमें सुधार करने की क्षमता नहीं है। सोशल मीडिया पोस्ट में राहुल गांधी ने क्या कहा? राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की। इसमें उन्होंने लिखा, छात्रों के खिलाफ पूरी की पूरी व्यवस्था जानलेवा है। खबर आ रही है कि बिहार में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर एके-47 से गोलियां चलाई गईं हैं और सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है। उन्होंने लिखा, मोदी जी, कहां गया आपका वह वादा कि छात्रों के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी और उन्हें रिहा कर दिया जाएगा? उल्टे उनके खिलाफ घातक हमले और बर्बरता की जा रही है।राहुल गांधी ने कहा, दिल्ली में छात्रों पर पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया और बिहार में एके-47 का। चाहे उत्तर प्रदेश हो, पश्चिम बंगाल, बिहार या दिल्ली, हर जगह तरीका एक जैसा है। उन्होंने कहा, पहले भी कहा है कि ये सरकार झूठी है। सुधार इनके बस का नहीं है। यह अपने वादों से मुकर जाएगी और हर तरकीब से छात्रों की आवाज दबाएगी। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी, देश के छात्रों से माफी मांगिए और जिन्होंने छात्रों ने पर हमला किया है, उन्हें कुचला है, उन पर कार्रवाई कीजिए, छात्रों पर नहीं। बिहार में क्यों हुआ था प्रदर्शन?- नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में शनिवार को वामपंथी छात्र संगठनों ने बिहार में कई जगह प्रदर्शन किए। इनमें से कुछ प्रदर्शन हिंसक हो गए। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सिवान में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर एके-47 से गोली चलाई। वहीं, 20 जुलाई को दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में निकाले गए संसद चलो मार्च के दौरान भी पुलिस और सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए लाठी और आंसू गैस का इस्तेमाल किया था। यह प्रदर्शन नीट पेपर लीक के विरोध में किया गया था। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र शामिल थे। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

इलेक्शन मोड ऑनः बबुआ 12 बजे सोकर उठते थे, 7 बजे जमती थी महफिल, इटावा में सीएम योगी के तरकश से निकले ये तीर

सीएम योगी ने नाम लिए बिना सपा प्रमुख पर तीखे वार किए। उन्होंने कहा कि पहले योग्यता नहीं जाति के आधार पर नौकरी दी जाती थी, अब ऐसा नहीं है। बबुआ 12 बजे सोकर उठते थे, दो बजे तैयार होते थे, शाम पांच बजे जिम जाते थे और सात बजे महफिल जम जाती थी। प्रदेश की जनता को समय न देने पर उन्हें दरकिनार कर दिया गया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिए बिना सपा गढ़ में शब्दों के तीखे वार किए तो जनसभा स्थल पर भीड़ ने जमकर तालियां बजाकर जमकर नारेबाजी की। सीएम ने कहा कि, प्रदेश में कोई नौकरी निकलती थी तो चाचा-भतीजे की जोड़ी निकल पड़ती थी। युवाओं को नौकरी नहीं मिलने पर कोर्ट को रोक लगानी पड़ती थी। वन माफिया, भू-माफिया, कॉलेज माफिया ने लोगों का जीना हराम कर दिया था। भाजपा सरकार आते ही इन लोगों को खत्म करने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करने के लिए विकसित प्रदेश के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। यूपी को आगे बढ़ाने में जितनी भूमिका गोरखपुर, कानपुर, मथुरा की है, उतनी ही इटावा-मैनपुरी की भी है। योगी ने कहा कि हमारे के लिए सभी 75 जिले बराबर है।देश में हैं चार जाति, गरीब, किसान, युवा व महिला- योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि देश में चार जाति हैं। इनमें गरीब, किसान, महिला व युवा है। सरकार का लक्ष्य है कि हर हाथ को काम मिले। इसके लिए सरकार की ओर से तमाम योजनाएं चलाईं जा रही हैं। पहले योग्यता नहीं जाति के आधार पर नौकरी दी जाती थी, अब ऐसा नहीं है। अब बिना किसी भेदभाव और भ्रष्टाचार के युवाओं को नौकरी दी जा रही है।इटावा-मैनपुरी में हो रहा गोरखपुर जैसा विकास- सीएम ने कहा कि अब कोई यह नहीं कह सकता है कि गोरखपुर में ज्यादा विकास हो रहा है। जितना विकास वहां हो रहा है, उतना ही इटावा-मैनपुरी में करवाया जा रहा है। कोई भेदभाव नहीं हो रहा है। पहले ऐसा नहीं होता था, विकास रोक दिया जाता था और रोजगार पर डकैती पड़ती थी। अन्नदाता की जमीन पर कब्जा हो जाता था। प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद इन पर लगाम लगाई है।

पेपर लीक के बाद अब E20 की बारी!: केजरीवाल बोले- एक होकर आवाज उठानी होगी;कॉस्टीट्यूशन क्लब में जुटने को कहा

अरविंद केजरीवाल ने कहा, देश के युवाओं ने एक अहंकारी सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया है और धर्मेंद्र प्रधान को जनता के सामने इस्तीफा देना पड़ा है। मैं प्रधानमंत्री मोदी से अपील करता हूं कि वे इस मौके पर ई20 फ्यूल का मामला भी सुलझा दें। इस मामले पर सभी को एक साथ लाने के लिए, हम इस शनिवार को नेशनल टाउनहॉल अगेनस्ट E20 आयोजित कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हजारों लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पेपर लीक के बाद एक बार फिर से ई20 मुद्दे को उठाया है। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि शनिवार को दिल्ली में टाउनहॉल कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा है। केजरीवाल ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को देश के युवाओं और लोकतंत्र की बड़ी जीत बताया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा, %देश के युवाओं ने एक होकर आवाज उठाई तो धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। ई20 पर भी हमें एक होकर आवाज उठानी पड़ेगी। इस शनिवार हम %नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई20% आयोजित कर रहे हैं, जिसमें शामिल होकर आप ई20 पर अपनी बात रख सकते हैं। आप इसमें ऑनलाइन भी शामिल हो सकते हैं।%अरविंद केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ई20 का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री से अपील की कि लगे हाथ इसका भी समाधान कर दीजिए। लोग बहतु ज्यादा परेशान हैं। उनकी गाड़ियां खराब हो रही हैं। केजरीवाल ने ई20 के खिलाफ दिल्ली में एक टाउनहॉल आयोजित करने की बात कही। इस दिशा में सभी लोगों को साथ लाने के लिए इस शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं, %नेशनल टाउनहॉल अगेनस्ट श्व20%। इसमें हमें उम्मीद है कि हजारों लोग शामिल होंगे। 12 बजे दिन में शुरू होगा। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा, %जो लोग दिल्ली और आसपास के शहरों से हैं वो कॉस्टीट्यूशन क्लब में सुबह साढ़े 11 बजे तक पहुंच जाएं। जो लोग दिल्ली से बाहर हैं और नहीं आ सकते हैं वो ऑनलाइन जुड़ें। हमें उम्मीद है कि हजारों की संख्या में लोग ऑनलाइन जुड़ेंगे, जो लोग नहीं आ सकते वो 8588833212 पर वॉट्सऐप कर दीजिए। हम शुक्रवार शाम तक एक लिंक भेज दीजिए। आप इस पर क्लिक करके हमारे साथ ऑनलाइन जुड़ सकते हैं। केजरीवाल ने कहा, %इस टाउनहॉल में हम इस मद्दे में दिलचस्पी रखने वाले सभी ऐक्सपर्ट को और सभी पीड़ितों को, जो भी दुखी हैं इस मुद्दे हैं, जिनकी गाड़ियां खराब हो गई हैं, सभी को एक प्लैटफॉर्म पर लाएंगे और बोलने का मौका देंगे और सरकार को ई20 पॉलिसी वापस लेने के लिए मजबूर करने की भविष्य की रणनीति तय करेंगे।

प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी पर सीजेपी की केंद्र को चेतावनी, बयान जारी कर कहा- धोखा बर्दाश्त नहीं करेंगे

सीजेपी समर्थकों की रिहाई न होने पर सीजेपी ने केंद्र को धमकी दी है और कहा है कि सरकार अपने वादे का सम्मान करे। साथ ही पार्टी ने बयान जारी कर कहा है कि धोखा बर्दाश्त नहीं करेंगे। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरभ दास ने दावा किया है कि असम, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित कुछ राज्यों से छात्रों और अन्य प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाए जाने, हिरासत में लेने और गिरफ्तार किए जाने की खबरें मिल रही हैं। इन रिपोर्टों पर गहरी चिंता जताते हुए उन्होंने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि पार्टी ने देशव्यापी आंदोलन केवल उस आश्वासन के बाद स्थगित किया था, जिसमें भारत सरकार ने भरोसा दिलाया था कि किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ वर्तमान या भविष्य में कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी, चाहे वह भाजपा शासित राज्य हो या एनडीए शासित राज्य। समर्थकों की रिहाई न होने पर जताई चिंता- सीजेपी का कहना है कि विभिन्न राज्यों से सामने आ रही खबरें बेहद चिंताजनक हैं और सरकार को अपने वादे का सम्मान करना चाहिए। सीजेपी ने कहा कि उसकी कानूनी टीम पहले दिन से ही सक्रिय है और संबंधित राज्यों के वकीलों के साथ मिलकर हिरासत में लिए गए या गिरफ्तार किए गए लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने तथा उन्हें हर संभव कानूनी सहायता मुहैया कराने की कोशिश कर रही हैपार्टी ने केंद्र सरकार, खासकर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से अपील की कि वे अपने वादों का पालन सुनिश्चित करें। सीजेपी ने मांग की कि हिरासत में लिए गए सभी लोगों को रिहा किया जाए और देश में कहीं भी किसी प्रदर्शनकारी के खिलाफ दबावपूर्ण या प्रतिशोधात्मक कार्रवाई न की जाए। पार्टी ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जानी चाहिए। बयान में सरकार को यह भी याद दिलाया गया कि उसने 28 जुलाई 2026 तक इस संबंध में लिखित गारंटी देने का वादा किया था।सीजेपी की धमकी- धोखा बर्दाश्त नहीं करेंगे- सीजेपी ने कहा कि देशव्यापी आंदोलन को स्थगित करने का फैसला पूरी तरह सद्भावना और सरकार के आश्वासन पर भरोसा करते हुए लिया गया था। यदि सरकार अपने वादे से पीछे हटती है, तो यह केवल कॉकरोच जनता पार्टी के साथ विश्वासघात नहीं होगा, बल्कि उन लाखों युवाओं के भरोसे को भी तोड़ने जैसा होगा जिन्होंने आंदोलन की बजाय संवाद का रास्ता चुना। नहीं किया जाएगा। सीजेपी ने अपने बयान में कहा कि किसी भी सरकार की विश्वसनीयता केवल वादे करने से नहीं, बल्कि उन्हें निभाने से बनती है।सीजेपी की समर्थकों से अपील- युवा प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पार्टी ने कहा कि वे धैर्य बनाए रखें, क्योंकि सीजेपी उनके साथ खड़ी है और स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। पार्टी ने मांग की कि सभी हिरासत में लिए गए और गिरफ्तार किए गए लोगों को तत्काल रिहा किया जाए

संपादकीय Editorial

Dispute Reaches the Prime Minister's Residence

The paper leak movement, conflict, and protests have reached the doorstep of the Prime Minister's residence. This is undoubtedly a shocking reality. Such tampering with the Prime Minister's security is unacceptable. It is a punishable offense. Protest sites have been identified in the capital, Delhi. If there is any dispute regarding the paper leak and the future of the youth, Parliament is the platform for it. If the opposition refrains from creating ruckus, sloganeering, and vandalism in Parliament, the issue can be discussed in the House. Even Prime Minister Modi has given this assurance, and while addressing NDA MPs, he assured that the paper leak "mafia" will not be spared. The government is taking strict action. The accused are also in jail. The Parliament session is ongoing, but proceedings are barren because the opposition considers creating ruckus its privilege. However, the Leaders of the Opposition in both houses of Parliament—Rahul Gandhi and Mallikarjun Kharge—have broken established law. Kharge's official residence is 10, Rajaji Marg, just 300 meters from the Prime Minister's residence. July 21st was Kharge's 84th birthday, so the Leader of the Opposition, the Lok Sabha, along with other Congress leaders, Chief Ministers, former Chief Ministers, MPs, and other prominent figures gathered at Kharge's residence. The strategy was likely decided there, and the Congressmen walked to the Prime Minister's residence. The argument was that the Prime Minister was not attending Parliament, so they had come to meet him. This was nothing but a fallacy. This protest was a blatant violation of security arrangements. Since most of the MPs were present, they could have staged a sit-in and raised slogans at a designated spot within the Parliament building. The threshold of the Prime Minister's residence is a "highest security" zone and is therefore "highly sensitive." Only the Prime Minister's convoy can pass through it. VVIP guests also travel the same route to meet the Prime Minister. The question is, did the police and intelligence agencies not even notice this protest? The Prime Minister is kept informed of every moment, so how did such a lapse occur? However, since independence, protests have only been held at the Prime Minister's residence twice, but both times the Leader of the Opposition was not involved. During the IC-814 hijacking in 1999, distressed and concerned citizens reached the Prime Minister's residence, as the plane was carrying many passengers and was hijacked by terrorists. Atal Bihari Vajpayee was the Prime Minister at the time. The second time, during the Anna Hazare movement in 2012, a crowd of youth protested at the Prime Minister's residence. Dr. Manmohan Singh was the Prime Minister at that time. In reality, a judicial resolution to any dispute, issue, problem, disaster, or scandal cannot be achieved by staging a sit-in at the Prime Minister's residence. The current Congress protest is a clear example of political anarchy, self-serving arrogance, and divided politics over a paper leak. Dr. Jitendra Singh, Minister of State in the Prime Minister's Office, and Union Home Secretary Govind Mohan visited the protest site twice and communicated with Rahul Gandhi, explaining to him the sensitivity of the Prime Minister's residence, but the Leader of the Opposition did not relent. He kept backtracking on his statement and repeatedly replied, "It's my wish..." The country doesn't run according to one person's whims. Finally, police personnel used mild force, picking up Rahul Gandhi and Akhilesh Yadav by the legs, detaining them, and pushing them onto a bus to Chhatrasal Stadium.

A Liturgical Test for Patients' Rights: Lack of Fair Investigations into Medical Negligence in India, Difficult Path to Justice

The lack of an independent body to impartially investigate deaths due to medical negligence in India makes the path to justice difficult for victims. Whenever there is debate about India's healthcare system, it often revolves around the number of hospitals, the shortage of doctors, expensive medicines, and pending insurance claims. However, there is a question that often goes undiscussed: if a patient or their family believes a serious lapse occurred during treatment, do they have an easy way to find out the truth or obtain justice?

In recent years, numerous cases have surfaced in which patient families allege medical negligence. The most worrying aspect of these cases is the difficult process of proving it. The legal process is so lengthy that ordinary families are left reeling for years. Often, more than compensation, the family wants to know what happened to their loved one. A recent example is Aligarh. A month ago, the National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) imposed a fine of ?2 crore on a doctor at a nursing home in Aligarh for removing a wrong kidney. However, the case had been ongoing since 2012, meaning it took the victim's family nearly 14 years to reach a final decision. This incident illustrates how long and arduous the path to justice can be. In 2025, approximately 65,000 cases related to medical negligence were filed in various courts across the country and the NCDRC. According to the World Health Organization, an estimated 138 million patients worldwide, including India, suffer harm each year due to unsafe medical care.

India also lacks a dedicated body to investigate deaths or serious injuries caused by medical negligence. There is no agency whose sole function is to determine what actually happened. Complaints are typically routed through the State Medical Councils. Their decisions can be appealed to the National Medical Commission (NMC), but the NMC's primary function is to regulate medical education. Its disciplinary board has no independent investigating officers or the power to visit hospitals and examine evidence. There is also no provision for legal action against those who provide false information at investigative and hearing forums for perjury. Overall, India lacks a legal system that guarantees timely access to medical records for patients and their families.

There are two major policy deficiencies in patient care in India: the absence of a national electronic medical record (EMR) system and the lack of a digital system that directly connects laboratories to consulting doctors. India needs an independent, statutory body that conducts impartial and transparent investigations into serious patient safety issues, especially those involving death, permanent disability, or serious injury. It is essential to ensure timely availability of treatment documents, digital preservation of medical records, and impartial investigation of complaints.

It is also true that not every patient's death or treatment failure is negligence. Doctors often have to make decisions in difficult circumstances. They too need an environment where they can work without fear of frivolous lawsuits. However, this does not mean that patients and their families are denied the right to information and justice. Trust in any healthcare system isn't built solely on large hospitals and modern equipment. Trust is built when patients feel they will be heard and any disputes will be investigated impartially. Just as important as the right to treatment is the right to know the truth. India needs a healthcare system in which doctors and patients are partners, not adversaries. Along with quality treatment, transparency and accountability are equally important. It is a matter of concern if patients have to fight long battles for their rights. The hallmark of a sensitive society is that patients receive treatment, justice, and respect.

When the goal is clear, the path becomes self-evident. Trusting yourself is the most effective formula.

When you clarify what you want, how much you want, and by when, your mind, your thoughts, and your efforts begin to work in that direction. If someone asks what the greatest art of achieving success is, the simple answer is: ask. It may sound simple, but it holds immense significance in life. Often, people work hard but are unable to decide what they truly want. They talk about their problems but are unable to clearly articulate their goals. However, every major success begins with clearly defining what you want. Because, when the goal is clear, the path becomes self-evident. Asking doesn't mean demanding anything from anyone. In fact, it's a way to give your mind and life the right direction. When you clarify what you want, how much you want, and by when, your mind, your thoughts, and your efforts begin to work in that direction. This is why vague goals often yield vague results, while clear goals help us reach the right opportunities. However, desire must be accompanied by strong faith. This faith should be like that of a child who sincerely believes that his or her wishes can be fulfilled. Therefore, make life plans wisely, but trust them wholeheartedly. The most important step after this is action. In fact, any idea only becomes meaningful when it is implemented with hard work and honesty. Simply learning new things is not enough. Unless knowledge is reflected in our work, it remains mere information. This is why success comes to those who strive to improve themselves every day. Therefore, the more important question is what kind of person your work is shaping you into. Struggle, failure, and disappointment are also a part of life. Wisdom doesn't lie in avoiding difficulties, but in making ourselves stronger, wiser, and more capable in the face of them. Similarly, when good opportunities arise in life, it's crucial to recognize them and take full advantage of them. Only those who sow seeds at the right time reap a bountiful harvest. However, sowing seeds isn't enough; they also need to be nurtured. Similarly, t's important to nurture our positive thoughts, relationships, values, and dreams from time to time.True maturity comes only when we take full responsibility for our lives and our decisions. Circumstances confront everyone, but turning them into opport unities depends on our actions and thinking. This habit can propel an ordinary person to extrao rdinary uccess. The key: Believe in yourselfThe secret to success lies in setting clear goals, mustering the courage to achieve them, having unwavering faith, and persevering. Success isn't just about acquiring wealth or position, but about developing one's personality by becoming stronger and wiser, even in adverse circumstances.

Will this 'lamp' of Deepak be extinguished or will it turn into a 'flame'?

It is also being said that other political elements are more responsible than the youth for what happened at Jantar Mantar. Student organizations of leftist parties openly supported the movement. Furthermore, members of the Aam Aadmi Party and Chandrashekhar Ravan's Azad Samaj Party also participated in large numbers. The way thousands of youth gathered at Jantar Mantar in New Delhi on July 20th at the Parliament March, organized at the Cockroach Janata Party (CJP), was lathi-charged to stop them, the mob resorted to violence, the opposition created a ruckus in Parliament over this, and the protesters' re-convening at Jantar Mantar the next day after being removed from the hunger strike site raises many questions. Meanwhile, farmers from Punjab have marched to Delhi over the India-US trade deal (which has not yet been finalized). Are these developments merely coincidental or point to a long-term political campaign? The basis behind this is that in India, the root cause of a change in power often lies elsewhere, and later it takes a purely political form. Be it the Bofors bribery scandal, the Mandal-Kamandal movement, or Anna's movement against corruption, all began with demands for "systemic reform" and ended with the ouster of the ruling party. So, is something similar going to happen this time, or is this just a storm in a teacup that the Modi government will deal with in its own way? Like the bubbles of the movements that have arisen in the past 12 years, this one too will burst soon. Because counter-strategies to deal with movements are already prepared. However, it is not necessary that counter-strategies will always be successful. Lack of will and organizational capacity in the opposition? In fact, the massive uproar caused by the farmers' protest in Delhi five years ago has not been seen again. It is not that the issues in the country have disappeared, but the opposition lacked the will and organizational capacity necessary to raise them. In fact, the opposition has failed to transform any issue into a widespread political movement, but it has certainly found political opportunities in movements initiated by others. Meanwhile, the ruling BJP and its driving force, the RSS, have been successful in sensing the motives behind these movements and using their own methods to defuse them. These movements never garnered widespread public support, remaining confined to a single section or community. According to the opposition, its true objective is to oust the Modi government from power in order to "save the country and the Constitution." Meanwhile, the Modi government and the RSS also prevent it from succeeding because they "need to protect the country and its culture." It is difficult to determine objectively who is right, as both sides share a single-minded vision. For example, on July 20th, during the Parliament March, organized by activist Sonam Wangchuk and the CJP to press student demands, Prime Minister Narendra Modi, before entering Parliament, mentioned the achievements of India's youth to the media, but at the same time, did not say a word about the thousands of angry youth gathering at Jantar Mantar. On the other hand, the opposition raised the issue of repression of the protesting youth and the government's "insensitivity" towards them in Parliament, but remained silent on the violence that occurred during the protests and the large number of injured security personnel. However, this does not diminish the significance of this movement. Because the very fact that the future of the country, the youth, is taking to the streets to express their problems and suffering should be a cause for concern. Why has this situation arisen?

आंतें बाहर-दूध पीना बंद: 85 दिन नसों के सहारे बचाई नवजात की जान, 94 दिन चला इलाज; तीन जटिल सर्जरी भी हुई

मुरादाबाद में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। 1.8 किलो वजन के समय से पहले जन्मे नवजात की आंतें पेट के बाहर थीं और भोजन का रास्ता बंद था। निजी अस्पताल में 94 दिन इलाज, तीन सर्जरी और 85 दिन तक नसों से पोषण देकर डॉक्टरों ने बच्चे को नई जिंदगी दी। इलाज के बाद नवजात स्वस्थ होकर घर लौट गया।समय से करीब डेढ़ माह पहले जन्मे महज 1.8 किलो वजन के एक नवजात की लगभग पूरी आंतें पेट के बाहर थीं। इतना ही नहीं, भोजन का रास्ता भी पूरी तरह बंद था। हालत इतनी गंभीर थी कि बचने की उम्मीद बेहद कम मानी जा रही थी। ऐसे में डॉक्टरों की

टीम ने लगातार 94 दिन तक इलाज, तीन जटिल सर्जरी और 85 दिन तक नसों के जरिए पोषण देकर नवजात को नई जिंदगी दी।

कायरॉन चिल्ड्रन्स सुपरस्पेशियलिटी अस्पताल का दावा है कि इस स्तर की जटिल बीमारी में सफल इलाज का ऐसा मामला भारत में अब तक दर्ज नहीं हुआ है। पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. वाईके पुनिया ने बताया कि नवजात कॉम्प्लिकेटेड गैस्ट्रोस्किसिस नाम की दुर्लभ जन्मजात बीमारी से पीड़ित था।इस बीमारी में बच्चे की आंतें पेट के बाहर विकसित हो जाती हैं। इस मामले में स्थिति और भी गंभीर थी, क्योंकि आंतों के साथ एट्रेशिया यानी आंत का एक हिस्सा बंद भी था।

इसके कारण इलाज और सर्जरी दोनों बेहद चुनौतीपूर्ण हो गए थे। डॉ. पुनिया के अनुसार बच्चे का जन्म समय से लगभग छह सप्ताह पहले हुआ था।बीमारी की गंभीरता को देखते हुए विशेषज्ञों की टीम ने चरणबद्ध उपचार शुरू किया। करीब तीन महीने तक बच्चे को मुंह से कुछ भी नहीं खिलाया जा सका। शरीर की पोषण संबंधी सभी जरूरतें विशेष सेंट्रल लाइन के माध्यम से पूरी की गईं। लगातार 85 दिनों तक टोटल पैरेंट्रल न्यूट्रिशन (टीपीएन) के जरिए नसों से पोषण दिया गया।इस दौरान संक्रमण से बचाव, पोषण बनाए रखना और बच्चे की सामान्य वृद्धि तय करना सबसे बड़ी चुनौती रही।

इलाज के दौरान नवजात की तीन बड़ी और अत्यंत जटिल सर्जरी की गईं। आखिरकार 94 दिनों के लंबे संघर्ष के बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से घर भेज दिया गया। बच्चे के पिता मुरादाबाद निवासी सलाहुद्दीन अकील बैंगलुरु में व्यवसाय करते हैं।

53 करोड़ की जीएसटी चोरी: एसआईटी ने जिया फैसल को पकड़ा, दिल्ली में भी दर्ज हैं दो केस, अरबों का किया लेनदेन

एसआईटी ने 53 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी के मामले में मुगलपुरा निवासी मुख्य आरोपी जिया फैसल को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने फर्जी फर्मों के जरिए करोड़ों रुपये की नकली खरीद-बिक्री दिखाकर आईटीसी क्लेम किया और सरकार को बड़ा नुकसान पहुंचाया। जांच में उसके बैंक खातों में अरबों रुपये के लेनदेन का भी पता चला है। एसआईटी ने 53 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामलों में मुगलपुरा से रविवार को मुख्य आरोपी जिया फैसल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बोगस फर्मों के माध्यम से फर्जी खरीद बिक्री दर्शाते हुए आईटीसी क्लेम कर सरकार को करोड़ों का चूना लगाया है। आरोपी के खिलाफ दिल्ली में भी धोखाधड़ी के दो मुकदमे दर्ज हैं। बैंक खातों की जांच करने पर पता चला है कि उसने अरबों रुपये का लेनदेन किया है। पुलिस के अनुसार राज्य कर अधिकारी खंड-2 राजुल कुमार आंबेडकर ने मुगलपुरा थाने में 27 सितंबर 2025 को जीएसटी चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। दोनों मुकदमों की विवेचना एसआईटी को सौंपी गई।बताया गया कि आरोपी ने एके इंटरनेशनल नाम की फर्म का पंजीयन कराकर खुद को रेडीमेड कपड़ों का कारोबारी बताया था। उसने 17 करोड़ 03 लाख 34 हजार 452 रुपये और 36 करोड़, 84 लाख 36 हजार 875 रुपये की फर्जी बिक्री दिखाते हुए राज्य कर

विभाग में आईटीसी क्लेम कर दिया।विभाग ने उसकी आईटीसी क्लेम का भुगतान कर दिया। सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगने पर विभाग के अधिकारी जांच में जुट गए। इस बारे में एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि मुफ्तीटोला मुगलपुरा निवासी मुख्य आरोपी जिया फैसल को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपने साथी जावेद के साथ मिलकर विभिन्न फर्मों के माध्यम से जीएसटी चोरी की थी। आरोपी के साथी जावेद की 2024 में मौत हो गई। एसपी क्राइम का कहना है कि आरोपी के खिलाफ मुगलपुरा और दिल्ली में धोखाधड़ी की चार रिपोर्ट दर्ज है। इसके अलावा मुगलपुरा थाने में 2021 में आरोपी के खिलाफ मारपीट और 25 आर्म्स एक्ट के भी दो मामले दर्ज हैं। आठ साल से देता रहा चकमा- एसआईटी के अनुसार आरोपी जिया फैसल ने अपने सगे भाई जिया अफजल के नाम से 'अल ग्रेन लास्को' नाम की फर्म का पंजीयन कराया। इस फर्म से 2017-18 मे फर्जी बिलों के आधार पर माल की स्थानीय तौर पर आठ करोड़ 55 लाख 7 468 रुपये की खरीद दर्शाया। साथ ही 6 करोड़ 46 लाख रुपये की बाहर के प्रांतो में बिक्री को स्टाक में प्रदर्शित किया। उसने 1.80 करोड़ रुपये की जीएसटी का समायोजन आईटीसी के माध्यम से किया। इसी तरह आरोपी ने अजमत खान के नाम से एके इंटरनेशनल फर्म घोषित कर जीएसटी में पंजीयन कराया। जांच में आया कि आरोपी ने 2018-19 में 7. 17 करोड़ रुपये की स्थानीय आपूर्ति भी दिखाया था। साथ ही 25.72 करोड़ रुपये की बाहरी सप्लाई दर्शाया। फर्म ने 7.20 करोड़ रुपये की जीएसटी देनदारी दर्शाया और उसे आईटीसी क्लेम भी कर दिया।आठ साल में किया अरबों का लेनदेन- एसआईटी की जांच में मुख्य आरोपी जिया फैसल के चार बैंक खातों के माध्यम से अरबों रुपये के लेनदेन पाए गए हैं। बोगम फर्मों के माध्यम से आरोपी ने कोटक महिन्द्रा बैंक में तीन खाते खोल रखे हैं। महिमा एक्जाइम नामक फर्म के खाते से 2 अरब 98 करोड़ 64 लाख 92 हजार 97 रुपये, वैभव इंटरप्राइजेज नाम की फर्म के खाते में 73 करोड़ 78 लाख 65 हजार 168 रुपये, नरेश एंड कंपनी नाम की फर्म के खाते में 1 अरब 55 करोड़ 60 लाख 82 हजार 895 रुपये का लेनदेन किया है। इसके अलावा आईसीसीआई बैंक में अल ग्रेन लासको नाम की फर्म के खाते से 14 करोड़ 78 लाख 97 हजार 8 रुपये का लेनदेन पाया गया है।

53.87 करोड़ की GST चोरी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, फर्जी बिलों से रेडिमेड कपड़ों का करता था कारोबार

मुरादाबाद में एसआईटी ने 53.87 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी चोरी के मुख्य आरोपी जिया फैसल को गिरफ्तार किया है।रेडीमेड कपड़ों का कारोबार दिखाकर फर्जी बिलों के माध्यम से 53.87 करोड़ रुपये से अधिक जीएसटी चोरी करने वाले मुख्य आरोपित जिया फैसल को एसआईटी टीम ने गिरफ्तार किया था। आरोपित गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार ठिकाने बदल रहा था। राज्यकर विभाग के अधिकारी ने इस मामले में मुगलपुरा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले के दूसरे आरोपित जावेद की दो साल पहले मौत हो चुकी है।

राज्य कर अधिकारी, खंड-दो सिविल लाइंस की ओर से मुगलपुरा थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया कि था एके इंटरनेशनल नामक फर्म ने रेडीमेड कपड़ों का कारोबार दिखाकर फर्जी बिलों के माध्यम से 17 करोड़ 3 लाख 34 हजार 452 रुपये, 36 करोड़ 84 लाख 36 हजार 875 रुपये का फर्जी बिलों पर निवेश दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त कर सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया।इस आधार पर मुगलपुरा पुलिस ने धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचना, कूटरचित दस्तावेज के प्रयोग तथा आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में जिले में गठित एसआईटी टीम कर रही थी। जांच के बाद एसआईटी टीम जिया फैसल निवासी मुफ्तीटोला मुगलपुरा को गिरफ्तार किया। एसपी क्राइम सुभाषचंद्र गंगवार ने बताया कि जिया फैसल अपने सहयोगी जावेद के साथ विभिन्न फर्मों के माध्यम से जीएसटी चोरी करता था। वर्ष 2024 में जावेद की मृत्यु हो चुकी है। गिरफ्तारी से बचने के लिए जिया फैसल दिल्ली में लगातार ठिकाने बदल रहा था।जांच में सामने आया कि अल ग्रान लास्को नामक फर्म के माध्यम से वर्ष 2017-18 में बड़ी मात्रा में खरीद और बिक्री दर्शाकर कर जीएसटी चोरी की। इसके बाद एके इंटरनेशनल के माध्यम से वर्ष 2018-19 में भी करोड़ों रुपये का कारोबार दिखाकर जीएसटी चोरी की।

आरोपित के बैंक खातों में संदिग्ध वित्तीय लेनदेन भी मिला है। बैंक खाते जीएसटी विवरणियां, ई-वे बिल, फर्मों के संचालन और लाभार्थियों की भूमिका की विस्तृत जांच जारी है।

उमस के बीच बिजली कटौती से कई मोहल्लों के लोग परेशान

रामपुर। शहर में बढ़ती बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। रविवार को किला, शाहबाद गेट, बरेली गेट और ज्वाला नगर समेत कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। उमस और गर्मी के बीच घंटों बिजली नहीं मिलने से लोग परेशान रहे। देर शाम बिजली व्यवस्था सामान्य होने पर लोगों को राहत मिली। शाहबाद गेट क्षेत्र में सुबह नौ बजे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जो करीब साढ़े 10 बजे बहाल हो सकी। इस दौरान सुबह काम पर जाने वाले लोगों को स्नान सहित अन्य दैनिक कार्यों में परेशानी हुई। दोपहर दो बजे के बाद हर 20 मिनट पर ट्रिपिंग होने से लोगों को बार-बार दिक्कत का सामना करना पड़ा। पंखे और कूलर बंद होने से उमस के बीच लोगों का बुरा हाल रहा।

चाकू चौराहे के पास डंपर की चपेट में बाइक सवार के हुए दो टुकड़े, साथी घायल

सोमवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसा

रामपुर-नैनीताल हाईवे पर चाकू चौराहे के पास क्षतिग्रस्त सड़क पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से मुरादाबाद निवासी 45 वर्षीय नवाब की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल है।नैनीताल हाईवे के करीब चाकू चौराहा जाने वाले क्षतिग्रस्त सड़क पर सोमवार सुबह के दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार के दो टुकड़े हो गए, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतक की पहचान मुरादाबाद निवासी 45 वर्षीय नवाब के रूप में हुई है। जबकि साथी इकरार को घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही थाना गंज और भोट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल इकरार को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं मृतक नवाब के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी भिजवाया। भोट थाना प्रभारी अर्जुन त्यागी ने बताया कि बाइक सवार सोमवार सुबह दवा लेने के लिए बिलासपुर जा रहे थे, तभी रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। घटना के दौरान स्कूल जा रहे शिक्षक आकिल खान ने बताया कि इसी मार्ग पर कई सड़क हादसे हो चुके हैं। चाकू चौराहे से नैनीताल मार्ग को कनेक्ट करने वाला छोटा सा टुकड़ा बहुत क्षतिग्रस्त है, गड्ढों के कारण बाइक सवार और ऑटो को दिक्कतें हो रहीं हैं।

ऐसे में तेज रफ्तार भारी वाहन और डंपर चालकों की लापरवाही के कारण यहां हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। मामले में पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता केवी सिंह से बात हुई तो उन्होंने बताया कि ये हिस्सा एनएचएआई मुरादाबाद के क्षेत्र में आता है। इसलिए विभाग ने इसकी मरम्मत नहीं की है, इसके लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क किनारे युवक का शव मिला, अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत की आशंका

पटवाई। पटवाई के मिलक रोड स्थित गैस एजेंसी के पास सड़क किनारे एक युवक का शव मिला। शरीर पर मिले चोट के निशानों के आधार पर अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान नरखेड़ गांव निवासी 35 वर्षीय विनोद के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल भिजवाया। वहां काम कर रहे मजदूरों ने बताया कि उन्होंने सुबह करीब 11 बजे विनोद को सड़क किनारे बैठा देखा था। खाना खाने के बाद जब वे दोपहर करीब एक बजे वापस लौटे तो विनोद जमीन पर अचेत अवस्था में पड़ा था। काफी देर तक कोई हलचल न होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिवार ने बताया कि विनोद बेलदारी का काम कर परिवार का पालन-पोषण करते थे।थाना प्रभारी धनंजय सिंह ने बताया कि युवक की मौत वाहन की टक्कर से होने की संभावना है। पुलिस अन्य सभी पहलुओं पर भी जांच कर रही है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

बेलदारी कर परिवार का भरण-पोषण करता था विनोद

पटवाई। मृतक विनोद बेलदारी का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी दो बेटियां हैं, जिनमें एक की उम्र दो वर्ष और दूसरी की उम्र नौ वर्ष है। विनोद की मौत के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की।

सावन में रूट डायवर्जन से बढ़ेगा बसों का किराया

रामपुर। सावन में रूट डायवर्जन के चलते 31 जुलाई से रोडवेज बसों में सफर करने वाले यात्रियों को अधिक किराया देना पड़ सकता है। अतिरिक्त दूरी तय करने के कारण गंतव्य तक पहुंचने में अधिक समय लगेगा। खासकर दिल्ली जाने वाली बसों को रामपुर के बजाय शाहबाद होकर निकाला जाएगा। प्रशासन ने सावन को देखते हुए रूट डायवर्जन की तैयारी पूरी कर ली है। रोडवेज डिपो को भी निर्देश दिए गए हैं कि डायवर्जन लागू होने पर बसों का संचालन निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से किया जाए। इससे यात्रियों की यात्रा अवधि बढ़ेगी और किराया भी अधिक देना होगा।प्रथम सावन सोमवार 3 अगस्त के लिए 31 जुलाई रात आठ बजे से रूट डायवर्जन लागू होगा, जो 3 अगस्त रात आठ बजे तक प्रभावी रहेगा। दूसरे सोमवार 10 अगस्त के लिए 7 अगस्त रात आठ बजे से डायवर्जन शुरू होगा। इस दौरान 11 अगस्त को शिवरात्रि भी है, जब कांवड़िये जलाभिषेक करेंगे। 11 अगस्त रात आठ बजे के बाद डायवर्जन समाप्त होगा।तीसरे सोमवार 17 अगस्त के लिए 14 अगस्त रात आठ बजे से 17 अगस्त रात आठ बजे तक और चौथे सोमवार 24 अगस्त के लिए 21 अगस्त रात आठ बजे से 24 अगस्त रात आठ बजे तक रूट डायवर्जन लागू रहेगा।

डायवर्जन के दौरान कार, जीप, पिकअप जैसे छोटे वाहनों को रामपुर से मुरादाबाद की ओर वन-वे मार्ग से भेजा जाएगा। वहीं रोडवेज बसें, प्राइवेट बसें, डंपर, ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य मालवाहक वाहन शाहबाद होकर गुजरेंगे। अतिरिक्त दूरी तय करने के कारण बसों का किराया बढ़ेगा। रोडवेज डिपो अब मुख्यालय से संशोधित किराया सूची का इंतजार कर रहा है। रूट डायवर्जन प्लान- बरेली-आंवला-सिरौली होकर शाहबाद आने वाले वाहनों को शाहबाद-ढकिया-बिसौली-बहजोई-बबराला से अनुपशहर तथा शाहबाद-सैफनी-बिलारी-चंदौसी-बबराला (बदायूं)-नरौरा (बुलंदशहर) होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा।

बरेली-मीरगंज और अन्य संपर्क मार्गों से मिलक आने वाले वाहनों को मिलक तीन बत्ती तिराहे से पटवाई, शाहबाद, बिलारी, चंदौसी, बबराला, नरौरा (बुलंदशहर) होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा। बरेली-मिलक-रामपुर-मुरादाबाद-दिल्ली जाने वाले वाहनों को रामपुर बाईपास स्थित अजीतपुर बाईपास पुल से डायवर्ट कर शाहबाद, सैफनी, बिलारी/चंदौसी, बबराला और अनुपशहर होते हुए दिल्ली भेजा जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली में बनी फिल्म 15 लाख, 31 जुलाई को नटराज टॉकीज में होगी रिलीज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली में निर्मित फिल्म 15 लाख आगामी 31 जुलाई (शुक्रवार) को नटराज टॉकीज में रिलीज होगी। कृका स्टूडियो के बैनर तले बनी यह फिल्म डिजिटल स्कैम और सोशल मीडिया के दौर में युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से तैयार की गई है। फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक मनोज कुमार सक्सेना ने बताया कि फिल्म का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि समाज को एक सकारात्मक संदेश देना भी है।

उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी एक ऐसे सीधे-सादे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो मोबाइल और डिजिटल स्कैम का शिकार हो जाता है। फिल्म युवाओं को संदेश देती है कि अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखें और दिखावे की अंधी दौड़ में शामिल होकर गलत रास्ता न अपनाएं। फिल्म का मुख्य संदेश है-उतने ही पैर पसारो, जितनी चादर हो और प्यार में डूबो, मगर अक्ल मत डुबाओ।

निर्माता ने बताया कि फिल्म के सभी प्रमुख कलाकार और तकनीकी सहयोगी बरेली के ही हैं। फिल्म में रूद्र परमार और दिशा पुरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि लविश भाटिया ने खलनायक की भूमिका निभाई है। शहर के वरिष्ठ समाजसेवी संजय गर्ग भी इसमें एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के किरदार में दिखाई देंगे।

फिल्म के गीत अदिति सक्सेना ने लिखे हैं, जिन्हें कौशिक टंडन और निधि सक्सेना ने अपनी आवाज दी है। सिनेमेटोग्राफी अनिल कुमार ने की है, जबकि कोरियोग्राफी अदिति और अवनी ने संभाली है। फिल्म का संगीत पिछले महीने वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार और कैंट विधायक संजीव अग्रवाल द्वारा लॉन्च किया गया था।

निर्माताओं के अनुसार फिल्म का शो प्रतिदिन शाम 4 बजे से 6 बजे तक नटराज टॉकीज में चलेगा।

युवाओं को ध्यान में रखते हुए टिकट की कीमत भी किफायती रखी गई है, ताकि अधिक से अधिक दर्शक फिल्म का आनंद उठा सकें।

इस अवसर पर कृका स्टूडियो ने अपनी अगली फिल्म अधूरी साजिश की भी घोषणा की, जो एक मर्डर मिस्ट्री पर आधारित होगी और जल्द ही फ्लोर पर जाएगी।

स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना में 28 लाभार्थियों का ई-लॉटरी से चयन, डीएम की मौजूदगी में प्रक्रिया हुई पारदर्शी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नन्दबाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पात्र लाभार्थियों के चयन हेतु सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में ई-लॉटरी का आयोजन किया गया। पूरी चयन प्रक्रिया नन्दबाबा दुग्ध मिशन पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराई गई।

जनपद बरेली के लिए निर्धारित 28 लाभार्थियों (14 महिला एवं 14 पुरुष) के लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्त पात्र आवेदनों में से ई-लॉटरी के माध्यम से चयन किया गया। कुल 116 पात्र आवेदनों में 51 महिला और 65 पुरुष शामिल थे। ई-लॉटरी के बाद 14 महिला एवं 14 पुरुष लाभार्थियों का चयन हुआ, जबकि 37 महिला और 51 पुरुष आवेदकों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया।

इस अवसर पर मुख्य कोषाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला समन्वयक नन्दबाबा दुग्ध मिशन, समिति के सदस्य, लाभार्थी तथा दुग्धशाला विकास विभाग का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

अधिकारियों ने बताया कि योजना का उद्देश्य स्वदेशी गौवंश के संरक्षण, दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करना है।

महिलाओं की उड़ान को मिला नया आसमान: नवाबगंज में शुरू हुई आराध्या मॉडल प्रेरणा कैंटीन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली/नवाबगंज- उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत नवाबगंज तहसील परिसर में महिलाओं के आत्मनिर्भर भारत के सपने को नई उड़ान मिली। छह स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित 'आराध्या मॉडल प्रेरणा कैंटीन' का भव्य शुभारंभ नवाबगंज विधायक एमपी आर्य ने मुख्य विकास अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में किया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी, नगर पालिका चेयरमैन, ब्लॉक प्रमुख, उपायुक्त स्वत: रोजगार, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के उत्साह और आत्मविश्वास ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

विधायक एमपी आर्य ने कहा कि स्वयं सहायता समूह महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की सबसे मजबूत कड़ी हैं। ऐसी पहल से महिलाओं की आजीविका मजबूत होगी, परिवार समृद्ध होंगे और देश के विकास को नई गति मिलेगी।

आराध्या मॉडल प्रेरणा कैंटीन न केवल महिलाओं को रोजगार का अवसर देगी, बल्कि स्थानीय लोगों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सेवाएं भी उपलब्ध कराएगी

जिन्न-शैतान हत्या करवाता था, पुलिस अधिकारी का दावा : भोजीपुरा पुलिस ने बुजुर्ग हत्याकांड का किया सनसनीखेज खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भोजीपुरा थाना पुलिस ने धौराटांडा क्षेत्र में 60 वर्षीय सियाराम श्रीवास्तव की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी मोहम्मद अरमान और उसके पिता इम्तियाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त ओमनी वैन, आला कत्ल चाकू, मृतक का मोबाइल, आधार कार्ड, नकदी तथा खून से सने कपड़े बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। अधिकारियों ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने यह भी कहा कि जिन्न-शैतान उससे हत्या करवाता था। हालांकि पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे नशे की लत और लूट की नीयत प्रमुख कारण सामने आए हैं और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 24 जुलाई को धौराटांडा निवासी सुरेश श्रीवास्तव ने अपने पिता सियाराम श्रीवास्तव की हत्या के संबंध में भोजीपुरा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। प्रारंभिक तहरीर में संपत्ति विवाद को लेकर कुछ लोगों पर आरोप लगाए गए थे।

विवेचना के दौरान सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और अन्य तकनीकी जांच में सफेद रंग की ओमनी वैन (UP25BL7337) संदिग्ध मिली।

जांच आगे बढ़ने पर वैन चालक मोहम्मद अरमान का नाम प्रकाश में आया। सोमवार तड़के भोजीपुरा पुलिस और एसओजी टीम ने आटामांडा तिराहे के पास से मोहम्मद अरमान को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ओमनी वैन, चाकू, मृतक का आधार कार्ड, सैमसंग गैलेक्सी एम-04 मोबाइल, 580 नकद, वाहन के टूटे शीशे के कांच, खून से सनी शर्ट और गमछा बरामद किया गया। चाकू मिलने के बाद मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई। पहले वैन से टक्कर, फिर चाकू से की हत्या- पूछताछ में आरोपी अरमान ने बताया कि वह नशे का आदी है और पैसों के इंतजाम के लिए 24 जुलाई की सुबह ओमनी वैन लेकर निकला था। बिबियापुर रोड पर सुनसान स्थान पर पैदल जा रहे सियाराम श्रीवास्तव को देखकर उसने पहले जानबूझकर वैन से टक्कर मारी। जब वह सड़क किनारे गिर गए तो उसने चाकू से गला रेत दिया और सीने पर कई वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद मृतक की जेब से मोबाइल, आधार कार्ड और नकदी निकालकर फरार हो गया। पिता ने छिपाए सबूत, पीलीभीत ले जाकर ठिकाने लगाने की थी तैयारी पुलिस के अनुसार घटना के बाद आरोपी ने पूरी जानकारी अपने पिता इम्तियाज अहमद को दी। दोनों ने मिलकर खून से सने कपड़े, चाकू और मृतक का सामान एक थैले में रखकर ओमनी वैन की सीट के नीचे छिपा दिया और वाहन को एक राइस मिल में खड़ा कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी हत्या से जुड़े सभी सबूतों को ठिकाने लगाने के लिए पीलीभीत की ओर जा रहा था, लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। इसके बाद पिता इम्तियाज अहमद को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जिस पर साक्ष्य छिपाने का आरोप है। ये सामान हुआ बरामद- हत्या में प्रयुक्त सफेद ओमनी वैन (UPw5BL7337) आला कत्ल चाकू मृतक का आधार कार्ड सैमसंग गैलेक्सी एम-04 मोबाइल 580 नकद वाहन के टूटे शीशे के टुकड़े खून से सना गमछा और शर्ट पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 315, 3(5), 238 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत कार्रवाई की है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक कुँवर बहादुर सिंह, एसओजी प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक पवन कुमार, उपनिरीक्षक गौरव चौधरी सहित भोजीपुरा थाना और एसओजी की टीम की विशेष भूमिका रही।

बेटियों के जन्म पर ताने देने का आरोप, विवाहिता पर चाकू से हमला

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र के सनऊआ गांव में एक विवाहिता के साथ मारपीट कर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में 35 वर्षीय तर्जीन पत्नी बाबू खां गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता के मायके पक्ष ने उसके पति और ननद पर मारपीट एवं चाकू से हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल बरेली में भर्ती कराया है। मामले की जांच की जा रही है।

पीड़िता के परिजनों के मुताबिक, घटना के दौरान तर्जीन की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर महिला को हमलावरों से बचाया। इसके बाद घटना की सूचना उसके मायके पक्ष को दी गई। जानकारी मिलते ही मायके वाले गांव पहुंचे और मामले की सूचना सीबीगंज थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा।

मायके पक्ष का आरोप है कि करीब सात वर्ष पहले तर्जीन की शादी बाबू खां के साथ हुई थी। परिजनों के अनुसार, शादी में करीब छह लाख रुपये खर्च किए गए थे और दहेज में अपाचे बाइक भी दी गई थी। आरोप है कि इसके बावजूद शादी के बाद से ही तर्जीन को लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा।

परिजनों का कहना है कि तर्जीन के तीन बेटियां और एक बेटा हैं। आरोप है कि पति अक्सर बेटियों के जन्म को लेकर उसे ताने देता था और खर्च बढ़ाने की बात कहकर विवाद करता था। इसी बात को लेकर दंपती के बीच आए दिन झगड़ा होता रहता था। परिजनों का आरोप है कि इसी विवाद ने इस बार हिंसक रूप ले लिया और तर्जीन के साथ मारपीट करने के बाद उस पर चाकू से हमला कर दिया गया।

घटना के बाद से पीड़िता का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। वहीं, सीबीगंज थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। पीड़िता की ओर से प्राप्त तहरीर और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्ट सिटी की धंसी सड़क, हुआ गहरा गड्ढा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बनी सड़क सोमवार को बरेली कॉलेज गेट के पास फिर धंस गई। सीवर लाइन चोक होने के कारण सड़क का एक बड़ा हिस्सा अचानक बैठ गया, जिससे वहां गहरा गड्ढा बन गया। गनीमत रही कि घटना के समय वहां से कोई वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही नगर निगम के जलकल विभाग, निर्माण विभाग और स्मार्ट सिटी परियोजना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल बैरिकेडिंग कर क्षेत्र को सुरक्षित किया और मरम्मत कार्य शुरू कराया। यह पहली घटना नहीं है, इसी स्थान पर पहले भी सीवर लाइन चोक होने के कारण सड़क धंस चुकी है। पिछली बार भी मरम्मत कराई गई थी, लेकिन समस्या दोबारा सामने आ गई है। सड़क के बार-बार धंसने से निर्माण गुणवत्ता और सीवर नेटवर्क की स्थिति पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बाबा धोपेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, भक्तों ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नाथ नगरी जलाभिषेक समिति की ओर से तीसरे चरण में सोमवार को बाबा धोपेश्वर नाथ मंदिर में विशाल सामूहिक रुद्राभिषेक एवं भव्य भस्म श्रृंगार का आयोजन किया गया। सुबह यात्रा का शुभारंभ समिति के उपाध्यक्ष धर्मेश अग्रवाल के निर्देशन में श्यामगंज स्थिति मंदिर पर गणेश पूजन एवं नाथ नगरी चालीसा के पाठ के साथ हुआ। घंटा, शंख और नगाड़ों की गूंज के साथ निकली जलाभिषेक शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा कालीबाड़ी, संजय कम्युनिटी हॉल, रामपुर गार्डन, प्रभा टॉकीज, कैंट और बी.आई. बाजार मार्ग से होती हुई बाबा धोपेश्वर नाथ मंदिर पहुंची। इस दौरान पूरे मार्ग में वातावरण नम: शिवाय और भक्तिमय भजनों की मधुर धुनों से शिवमय बना रहा। यात्रा के दौरान जगह-जगह दिव्य जागृति संस्था, प्राचीन कालीदेवी मंदिर चाहबाई समिति, मनोकामना मंदिर समिति, अध्यात्म संस्था और विश्व जागृति मिशन समिति सहित कई धार्मिक संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।

कांवड़ यात्रा को लेकर हाई अलर्ट, 40 संवेदनशील इलाकों में ड्रोन और CCTV से निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पिछले बरस उपद्रव झेल चुके बरेली शहर में सावन और कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस-प्रशासन सुरक्षा इंतजामों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा। नाथनगरी में 40 ऐसे स्थान संवेदनशील सूची में रखे गए हैं, जहां पूर्व में विवाद सामने आते रहे हैं। ऐसे सभी स्थानों की पुलिस पिकेट की तैनाती के साथ सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की तैयारी कर ली गई है। इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से डे-नाइट मॉनीटरिंग के साथ गुप्तचर एजेंसियां भी इन जगहों पर नजर रखेंगी। अफसरों के मुताबिक, महानगर के सभी 9 थाना क्षेत्रों के ऐसे सभी स्थान सूचीबद्ध किए गए हैं, जहां पिछले समय में धार्मिक जुलूसों के दौरान हुए विवाद सामने आए। इस लिहाज से 40 स्थान संवेदनशील पाए गए हैं। इनमें बारादरी, कोतवाली, प्रेमनगर और इज्जतनगर थाना क्षेत्र में सबसे ज्यादा स्थान संवेदनशील हैं। सावन माह में कांवड़ यात्रा के साथ हर समय धार्मिक गतिविधियां रहेंगी, इसलिए सभी संवेदनशील जगहों पर पुलिस पिकेट तैनात की जा रही। सीसीटीवी दिन-रात काम करेंगे। मिश्रित आबादी और भीड़ भरे इलाकों की मॉनीटरिंग को ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में नगर निगम के अंदर स्थापित इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से शहर के 145-165 जगहों पर एक साथ नजर रखी जा सकती है। आईसीसीसी में भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी रहेगी। सोशल मीडिया पर खुराफात और अफवाहें फैलाने वालों पर कार्रवाई के लिए भी पुलिस ने कमर कस ली है। सावन से पहले ही पुलिस टीमें सोशल मीडिया की मॉनीटरिंग में जुट गई हैं।

तीन बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, गोली लगने से एक घायल, महिला आरोपी भी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । मीरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने रविवार देर रात मुठभेड़ के बाद तीन शातिर टप्पेबाजों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी। पुलिस ने टप्पेबाजी में लूटे गए सोने के कुंडल और अवैध हथियार भी बरामद किए हैं। प्रभारी निरीक्षक मीरगंज रविकुमार ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ रात्रि गश्त पर थे। देर रात करीब 12:50 बजे कुल्छा पेट्रोल पंप के पास संदिग्ध बदमाश दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अमन उर्फ शहजाद उर्फ शहजादे के पैर में गोली लगी। घायल अमन को उपचार के लिए सीएचसी मीरगंज भेजा गया। पुलिस ने मौके से पप्पू सिंह उर्फ फौजी और आसिफ को भी गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, एक चाकू, दो बाइक और तीन मोबाइल फोन मिले। पूछताछ में आरोपियों ने 15 जुलाई 2026 को मीरगंज बाजार में एक महिला से कुंडल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि इस वारदात में आसिफ की पत्नी फईमा भी शामिल थी। पुलिस ने बाद में फईमा को लाभारी चौकी के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से चोरी किए गए एक जोड़ी सोने के कुंडल बरामद हुए।

मिसाइल मैन डॉ. एपीजे. अब्दुल कलाम को कांग्रेस ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। महानगर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग कार्यालय, धर्म कांटा पर भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई। कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि डॉ. कलाम ने भारत को वैज्ञानिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने में ऐतिहासिक योगदान दिया। उनका व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने कहा कि मिसाइल मैन के रूप में विख्यात डॉ. कलाम का देशप्रेम और सादगी उन्हें महान बनाती है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने कहा कि डॉ. कलाम का संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित रहा और वे युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने डॉ. कलाम के आदर्शों पर चलने और राष्ट्र निर्माण के उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर इंजीनियर ज़ीशान अफरीदी, सुरेश दिवाकर, डॉ. हरीश गंगवार, महेंद्र पाल, साजिद अब्बासी, फिरदौस खान, निशा खान सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संत शिरोमणि रविदास महाराज जी के 650 वें जयंती वर्ष पर समरसता संकल्प अभियान के तहत भाजपा की जिला कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650 वीं जयंती के उपलक्ष में जिला भाजपा कार्यालय में समरसता संकल्प अभियान के तहत जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी डा. राहुल जैन ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष महाराज सिंह दांगी ने की । इस दौरान उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने समाज को एक दिशा दी उन्होंने लोगों को धर्म से जोड़े रखा,उन्होंने समाज की एकता समरसता के लिए अपनों के बीच रहकर कठिन समय में भी सहकर भी समाज को एक रखा।

मुख्य अतिथि विधायक मुकेश टंडन ने कहा कि संत रविदास ने तमाम यातनाएं सही लेकिन अपना धर्म नहीं छोड़ा। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सागर के पास 100 करोड़ की लागत से संत रविदास मंदिर, शोध संग्रहालय बनाया जा रहा है। जहां उनके जीवन पर आधारित शोध किया जाएगा। जिससे उनके बारे में अधिक जानकारी हो सके।

जिला महामंत्री अनिल सोनकर ने संत रवि दास जयंती पर होने वाले आगामी संपूर्ण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। जिला महामंत्री बलवीर रघुवंशी ने संत रवि दास का जीवन दर्शन साझा किया।कार्यक्रम का संचालन भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष संयोजक कमलेश मैहर ने किया। अंत में आभार व्यक्त समरसता टोली के सहसंयोजक राजेश प्रभाकर ने किया। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष तोरण सिंह दांगी, जिला महामंत्री अनिल सोनकर, बलवीर रघुवंशी,जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती अंशुलेखा भावसार,श्रीमती अंजलि यादव ,श्रीमती गायत्री रघुवंशी,जिला उपाध्यक्ष पंकज पांडे, संदीप ठाकुर, दुष्यंत धाकड़ , मुकेश चौकसे , सुरेंद्र चौहान, प्रशांत खत्री, दिनेश कुशवाह, रामेश्वर शर्मा, निरपत सिंह कुशवाह,, राकेश कटारे, संयोग श्रीवास्तव , जय ठाकुर,श्री संतोष पेंटर एवं बड़ी संख्या में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिले में दूध व दुग्ध उत्पादों की जांच तेज, 7 प्रतिष्ठानों से लिए गए नमूने

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में दूध एवं दूध से बने उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अर्पित वर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत जिलेभर में निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई लगातार जारी है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन के उपसंचालक ने बताया कि पिछले सप्ताह शिवपुरी, कोलारस, पोहरी और बदरवास क्षेत्र के 7 प्रतिष्ठानों से दूध, मावा, पनीर और दही के नमूने एकत्र किए गए हैं। सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान शिवपुरी में छत्री रोड स्थित न्यू जैन दूध डेयरी से खुला मावा एवं पनीर, गुर्जर दूध डेयरी से खुला दूध, कोलारस के लुकवासा स्थित पवन दूध डेयरी से पनीर एवं दूध, ग्वालियर बायपास पर एक चलित वाहन से खुला दूध, पोहरी के ग्राम झिरी स्थित दिलीप दूध डेयरी से दही एवं दूध तथा बदरवास स्थित मिश्री दूध डेयरी से सप्रेटा दही एवं माखन दूध डेयरी से दूध के नमूने लिए गए।

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल अच्छी गुणवत्ता वाले दूध एवं दुग्ध उत्पाद ही खरीदें। यदि कहीं मिलावटी अथवा खराब गुणवत्ता के खाद्य पदार्थों की बिक्री की जानकारी मिले, तो इसकी सूचना तत्काल खाद्य एवं औषधि प्रशासन को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पनैठी पर हुए दिनदहाड़े गोली कांड मैं पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार को जेल भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद थाना क्षेत्र के पनेठी गांव में रविवार सुबह पैसे के लेनदेन को लेकर हुए गोलीकांड में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस घटना में एक राहगीर की पीठ में गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे तत्काल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

नेशनल हाईवे स्थित पनेठी गांव के पास दीपक कुमार सिंह (निवासी खान गढ़ी, थाना महुआखेड़ा) और दिनेश कुमार (निवासी अलहदादपुर, थाना हरदुआगंज) के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ। यह कहासुनी जल्द ही मारपीट में बदल गई।

विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों से कुछ अन्य लोग भी मौके पर आ गए और उनके बीच फायरिंग शुरू हो गई। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों ने लगभग चार राउंड गोलियां चलाईं। फायरिंग के दौरान अलीगढ़ की ओर से बाइक पर अपने गांव टीकरी (थाना बरला) जा रहे नवीन कुमार पुत्र धनेन्द्र सिंह की पीठ में गोली लग गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल नवीन को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। पुलिस ने घटनास्थल से एक तमंचा, कारतूस और डंडे भी बरामद किए हैं।

पुलिस ने गोलीकांड के आरोपी दीपक पुत्र शैलेंद्र सिंह, राजबहादुर पुत्र दुर्जेन्द्र पाल सिंह और दिनेश पुत्र रघुवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इन आरोपियों से एक तमंचा, कारतूस और डंडे बरामद किए गए हैं, जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

इस घटना के संबंध में पुलिस ने 10 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा संख्या 369/2026 बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इसके अतिरिक्त, घायल नवीन के भाई अभिषेक पुत्र धनेन्द्र की तहरीर पर दिनेश कुमार पुत्र रघुवीर सिंह सहित एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा संख्या 370/2026 बीएनएस की धारा 109(1) में भी मामला दर्ज किया गया है।थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार जुटी हुई है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लुटेरों ने तीन लाख रुपए दो मोबाइल व चाबी छीनी दुकानदार ने साहस दिखाते हुए लुटेरों से तमंचा छीना

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद = कोतवाली क्षेत्र में करेहला रोड पर रविवार की रात एक दुकानदार के साथ लूट की घटना हुई।

बदमाशों ने तमंचे के बल पर तीन लाख रुपये, दो मोबाइल, दुकान की चाबी और कागजात लूट लिए। हालांकि, दुकानदार ने बहादुरी दिखाते हुए लुटेरों से तमंचा छीन लिया और उन्हें भागने पर मजबूर कर दिया। घटना रविवार रात करीब 10 बजे हुई अकरासाद करेहला रोड पर हुई। जब अकराबाद कस्बा के करहेला रोड स्थित अपनी दुकान बंद कर किशनपाल सिंह अपने बड़े भाई दीपक के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। जुझारपुर गेट के सामने जिरौली हीरा सिह वाले रोड पर, उनके गांव के सचिन पुत्र मुनेश पाल ठाकुर व रॉकी पुत्र सतीश पाल सिंह अपने एक अज्ञात साथी के साथ खड़े थे।बदमाशों ने तमंचे के बल पर उनकी बाइक रुकवाई और दीपक के हाथ से रुपयों से भरा बैग छीन लिया। उन्होंने दोनों भाइयों के मोबाइल भी छीन लिए और उनके साथ मारपीट की। बचाव में, किशनपाल और दीपक ने लुटेरों पर पलटवार किया और एक बदमाश के हाथ से तमंचा छीन लिया। घबराकर सचिन और रॉकी अपनी लाल पल्सर बाइक और अन्य साथी पैदल मौके से फरार हो गए। किशनपाल के अनुसार, लुटेरे उनके बैग से करीब 3 लाख रुपये, दुकान की चाबी और अन्य दस्तावेज लूटकर ले गए। उन्होंने लुटेरों से छीना गया तमंचा, जिसमें 315 बोर का एक जिंदा कारतूस था, पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने उनकी तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि जिरौलीहीरा सिंह गांव के दो भाइयों के साथ लूट की घटना हुई है। पुलिस ने सचिन पुत्र मुकेश पाल ठाकुर, रॉकी पुत्र सतीश पाल सिंह और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू करदी है।

भीषण गर्मी एवं विजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने विजली घर पर ताला लगाकर किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर /अलीगढ़ अकराबाद : गोपी में भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने गोपी हीरापुर बिजलीघर पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया है। लगभग 50 से 60 की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे सोमवार को बिजलीघर पहुंचे और अपनी नाराजगी व्यक्त की।

ग्रामीणों का आरोप है कि गोपी गांव में पिछले चार-पांच दिनों से बिजली ट्रांसफार्मर न होने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित है। इससे बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे सभी परेशान हैं। विशेष रूप से, गोपी की ब्राह्मण धोबी वाली गली में तो करीब एक महीने से बिजली नहीं आ रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने गोपी हीरापुर बिजलीघर पर कई बार शिकायत की है, लेकिन उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं निकला है। इस अनदेखी के कारण ग्रामीणों में गहरा रोष है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे बिजलीघर की तालाबंदी, घेराव और सड़क जाम जैसे कदम उठा सकते हैं। प्रदर्शन में ललिता, गुलकंदी देवी, रेखा देवी, रश्मी भारद्वाज, शंकुला देवी, कुसुम देवी, शांति देवी, रानी कुमारी, भगवान दास, महाराज सिंह, सोरन सिंह कुशवाह, सुरेश कुमार, उमेश कुमार, मनोज कुमार, प्रमोद कुमार, राजू पाठक, मदन दिवाकर, सतेंद्र दिवाकर, गौरव कश्यप, सुबोध कुमार सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

गोपी के निकट कार ने बाइक में टक्कर दो की हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर /अलीगढ़ अकराबाद – नेशनल हाईवे स्थित गांव गोपी के पास सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। यह घटना सोमवार सुबह करीब 10 बजे हुई। जयवीर पुत्र केशव सिंह, निवासी सहोरी, थाना जैथरा अपने साथी रामवीर पुत्र रनवीर सिंह, निवासी अहमदपुर कला, थाना जैथरा, एटा) के साथ अपनी बेटी राधिका के लिए लड़का देखने सूरजपुर, नोएडा जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक नेशनल हाईवे स्थित गांव गोपी ओवरब्रिज के पास पहुंची, तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसमें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए और वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां से डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और कार को कब्जे में लेकर थाने भेजा है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर खुशी जताई

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन)। नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर जंतर मंतर दिल्ली और देश के कई जगहों पर युवाओं में गुस्सा और आक्रोश के आगे मोदी सरकार में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता माज अल्ला गौरी ने खुशी जताई है और इसी खुशी को लेकर उन्होंने लोगो को मिष्ठान भी खिलाया है सपा के सीनियर नेता माज अल्ला गौरी ने कहा कि यह छात्र छात्राओं की जीत है उन्होंने कहा को सरकार छात्र छात्राओं के लिये कार्य करें और किसी भी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक न हो और बेरोजगारों को नियमता समय पर रोजगार मिल सके।

पत्नी घर से बैंक जाने को निकली हुई गायब

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन)। नगर के मोहल्ला गांधी नगर निवासी भवानी शंकर पुत्र कामता प्रसाद ने कोतवाली में एक प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि मेरी दूसरी द शादी (बिदा)वर्ष 2014 में सरस्वती पुत्री लक्ष्मन निवासी ग्राम पचोवई मोठ जिला झांसी के साथ हुई थी उनके पहले पति राम लखन पुत्र नामालूम निबासी ग्राम खुटेला थाना कैलिया थे उक्त की मृत्यु के बाद सरस्वती ने दूसरा विवाह वर्ष 2014 में मेरे साथ किया था घटना दिनांक 25 मई 2026 समय करीब दोपहर 2 बजे घर से मेरी गैर मौजूदगी में मेरी पत्नी यह कहकर घर से निकली कि वह बैंक जा रही है इसके बाद वह लौट कर नहीं आयी मैने जब उसकी खोजबीन की तो तो उसके मायके बालों ने बताया कि वह अपने पहले पति के ग्राम खुटेला चली गयी है तब मैं खुटेला गया और अपनी पत्नी को समझाने का प्रयास किया वह मेरे साथ वापिस चले जिससे कि मेरी पत्नी व उसके पूर्व पति से उत्पन्न उसकी पुत्री शशि की बेहतर देख भाल हो सके लेकिन वह नहीं मान रही है जिस के बाद मै अपने घर वापिस आ गया मुझे भय है कि मेरी पत्नी के साथ कोई व्यक्ति अनहोनी घटना घटित न कर दे मुझे भय है किसी व्यक्ति ने भोली भाली बातों में फंसाकर उसे गुमराह कर दिया है जिससे मेरी पत्नी घर से चली गयी है मैं आज भी अपनी पत्नी को रखना चाहता हूं भवानी शंकर ने पुलिस से उपरोक्त प्रकरण में कानूनी कार्यवाही की गुहार लगाई ।

डीएम व एसएसपी ने किया कांवड़ मार्ग का निरीक्षण

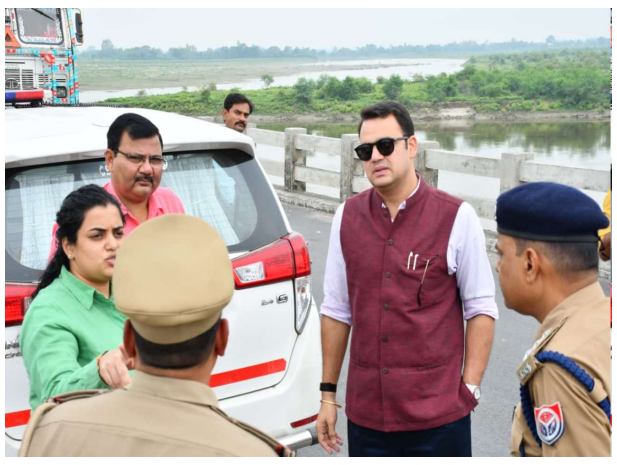

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिलाधिकारी अवनीश राय ने सोमवार को कांवड़ यात्रा-2026 की तैयारियों के दृष्टिगत दातागंज से शाहजहांपुर बोर्डर तक का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं, जिससे कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी श्रावण मास में 30 जुलाई, 2026 से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जनपद में सेक्टर व जोन बनाते हुए वहां मजिस्ट्रेट/अधिकारी नामित किए गए हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान बेहतर प्रकाश व्यवस्था के लिए हाईमास्क लाइट भी लगाई जा रही है तथा सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। शिविर संचालन के लिए भी स्थापना पूर्व अनुमति लेने सहित अन्य मापदण्ड बनाए गए हैं।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा अथवा आपात स्थिति में त्वरित सहायता एवं प्रभावी समन्वय के लिए कलेक्ट्रेट स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) तथा पुलिस लाइन में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। कलेक्ट्रेट स्थित आईसीसीसी कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05832-266049, 05832-266050, 05832-266052 एवं 05832-266054 तथा मोबाइल नंबर 7505389289 एवं 7505395940 जारी किए गए हैं। इसी प्रकार पुलिस लाइन स्थित कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9454402956 एवं 9454417440 पर भी किसी भी प्रकार की सूचना अथवा सहायता प्राप्त की जा सकती है। जिलाधिकारी ने बताया कि 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान प्रत्येक शुक्रवार सायं 8:00 बजे से सोमवार सायं 5:00 बजे तक लागू रहने वाले रूट डायवर्जन को प्रभावी ढंग से लागू कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

नरवर पुलिस की कार्रवाई: 315 बोर का देशी कट्टा व दो कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी । पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में जिले में अपराधियों की धरपकड़ तथा अवैध हथियार, शराब, जुआ एवं सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नरवर थाना पुलिस ने एक आरोपी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रामदास प्रजापति एवं एसडीओपी करैरा श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना नरवर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुरेन्द्र धाकड़ (34) निवासी ग्राम बैचई, थाना गसवानी, जिला श्योपुर को गिरफ्तार किया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने अवैध हथियार एवं कारतूस जब्त कर आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विनय यादव, प्रधान आरक्षक सुनील भार्गव तथा आरक्षक अजय गुर्जर, गौरव जाट, पवन पुरी, परिमाल, दीपक एवं नरेंद्र मौर्य की सराहनीय भूमिका रही।

बैराड़ में ज्वेलर्स की दुकान में चोरी का प्रयास नाकाम, दो आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। बैराड़ थाना पुलिस ने ज्वेलर्स की दुकान में गैस कटर से ताला काटकर चोरी का प्रयास करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त टाटा नेक्सोन कार, 315 बोर का देशी कट्टा तथा तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मामले में मुख्य आरोपी सहित अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, 22 जुलाई को बैराड़ निवासी जगदीश प्रसाद गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21 जुलाई की रात उनकी प्रिंस ज्वेलर्स दुकान का गैस कटर से ताला काटकर चोरी का प्रयास किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 303(2) एवं 62 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में गठित टीम ने मुखबिर एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

26 जुलाई को सूचना मिली कि आरोपी टाटा नेक्सोन कार से पहाड़गढ़ की ओर आने वाले हैं। सहसराम-पहाड़गढ़ मार्ग पर घेराबंदी कर पुलिस ने कार सवार सौरभ कुशवाह (20) निवासी भूराडाढ़ा, जिला मुरैना एवं आकाश रावत (28) निवासी भूपतपुरा, जौरा को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान सौरभ के कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा एवं तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने रिंकू उर्फ योगेश कुशवाह, राकेश कुशवाह तथा देवेंद्र उर्फ देवू सविता के साथ मिलकर बड़ी चोरी की योजना बनाई थी। बैराड़ के एक ज्वेलर्स को निशाना बनाकर गैस कटर से ताला काटने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस की सक्रियता के चलते वारदात पूरी नहीं हो सकी और सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त टाटा नेक्सोन कार (एमपी 07 एजे 4821), एक देशी कट्टा एवं तीन जिंदा कारतूस जब्त कर लिए हैं। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश शर्मा, उपनिरीक्षक हरिओम पाण्डेय, प्रधान आरक्षक इकबाल अहमद तथा आरक्षक अतर सिंह रावत, ज्ञान सिंह रावत, रविंद्र धाकड़, संदीप राठौर, वीरेन्द्र धाकड़, राजेन्द्र प्रसाद, चालक आरक्षक मनीष परिहार एवं अजय नीखरा की सराहनीय भूमिका रही।

उच्च न्यायालय के अधिकारियों ने वृद्धा आश्रम का औचक निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार दिनांक 27.07.2026 को न्यायिक अधिकारियों ने जिले में संचालित दो शैल्टर होम राठ रोड में संचालित ''वृद्धाश्रम'' एवं मु0 लहरियापुरवा स्थित ''आश्रय-गृह'' का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बहुत बारीकी से व्यवस्थाओं को परखा और आवश्यक दिशा-निर्देश भी कर्मचारीगण को दिये। न्यायिक अधिकारियों ने उक्त दोनों आश्रय स्थलों में रह रहे आश्रितों के रहन-सहन, खानपान, चिकित्सा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा और बुनियादी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा।

सबसे पहले समाज कल्याण विभाग द्वारा राठ रोड उरई में स्वैच्छिक संस्था शिवा ग्रामोत्थान सेवा संस्था, एफ-473 गुजैनी रतनलाल नगर, कानपुर नगर के सहयोग से संचालित वृद्धाश्रम में निरीक्षण के दौरान 120 संवासी उपस्थित मिले। उपस्थित पंजिका के अनुसार रात्रिकालीन कर्मचारीगण एवं प्रबन्धक को छोड़कर सभी कर्मचारीगण उपस्थित मिले।

वृद्धाश्रम की संवासियों से पूछा गया कि उन्हे चाय-नाश्ता और सुबह-शाम का भोजन समय से मिल रहा है या नहीं, इस पर संवासियों द्वारा बताया गया कि भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार मिल रहा हैं। वृद्धाश्रम की मेडिकल डिस्पेंसरी का निरीक्षण करने पर स्टाफ नर्स उपस्थित मिली, जिनसे संवासियों की चिकित्सा/प्राथमिक उपचार हेतु डिस्पेन्सरी में आवश्यक दवाओं के बारे में जानकारी ली गयी। पूछे जाने पर किसी भी संवासी द्वारा कोई समस्या नहीं बताई गई।

इसके उपरान्त नगर पालिका परिषद उरई जनपद जालौन के सहयोग से मु0 लहरियापुरवा में लखनऊ के एन0जी0ओ0 द्वारा संचालित आश्रय गृह (शेल्टर होम) में न्यायिक अधिकारियों ने विभिन्न बिन्दुओं पर जांच-पड़ताल की। निरीक्षण समय में सिर्फ प्रबन्धक उपस्थित मिला। मेडिकल डिस्पेंसरी का निरीक्षण करने पर समस्त दवायें सही तथा व्यवस्थित पायी गयी। यहां की आश्रित पंजिका में निरीक्षण तिथि में कोई भी आश्रित पंजीकृत नहीं मिला तथा एस0डी0आर0एफ0 की टीम आश्रय गृह में रुकी थी, जिसके बारे में प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि यह टीम ए0डी0एम0 जालौन के अग्रिम आदेश तक के लिये यहां रुकवायी गयी हैं। निरीक्षण करने वाली इस अनुश्रवण समिति में अपर जिला जज प्रथम सतीश चन्द्र द्विवेदी, प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतिभा सिंह एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाम्भवी-। शामिल रही तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन स्थान उरई के लिपिक बृजलाल मौर्या उपस्थित रहे।

पशु चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / कोंच(जालौन)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लोना निवासी राहुल पुत्र अमर सिंह ने पुलिस प्रार्थना पत्र देकर में बताया कि परिवार में एक रिश्तेदार की मृत्यु तथाअन्य पारिवा रिक कार्यक्रमों के चलते वह अपने पशु बाड़े पर नियमित रूप से नहीं पहुंच सका दिनांक 24 जुलाई की रात करीब 12 बजे वह पशुबाड़े पर पहुंचा और भैंस व उसकी पड़िया को बांध दिया इसके बाद वह वापस घर चला गया। उसने बताया है कि 25 जुलाई की सुबह करीब तीन से चार बजे की रात बीच अज्ञात चोर पशु बाड़े से उसकी भैंस और पड़िया चोरी कर ले गए सुबह जानकारी होने पर उसने आसपास काफी तलाश की लेकिन पशुओं का कोई सुराग नहीं मिला। राहुल ने पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाए।

संक्षिप्त समाचार

विवादित जोड़े आपसी कलह बुलाकर साथ रहने को हुए सहमत

क्यूँ न लिखूँ सच / युसूफ / नारी उत्थान केन्द्र, मुरादाबाद पुलिस के अथक प्रयासों से 01 दंपती के आपसी मतभेदों का कराया निस्तारण। परिवार परामर्श केन्द्र/नारी उत्थान के द, मुरादाबाद के अथक प्रयासों से पति-पत्नी के 01 विवादित जोड़े आपसी कलह भुलाकर साथ रहने को हुए सहमत । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के कुशल निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी कार्यालय के पर्यवेक्षण में तथा अनुभवी परामर्श दाता व परामर्श दाता डा0 पूनम बंसल के माध्यम से परिवार परामर्श केन्द्र / नारी उत्थान केन्द्र, पुलिस लाईन मुरादाबाद में दिनांक 27-07-2026 को पति-पत्नी सम्बन्धित पारिवारिक विवादों की काउन्सलिंग के दौरान 01 प्रार्थना पत्र में दोनो पक्षों की सहमति से सुलह समझौता कराया गया। प्रार्थना पत्र में दोनों पक्षों की पारिवारिक समस्याओं को सुनते हुए आपसी सहमति से समझौता कराया गया। दोनों पक्षों द्वारा आपस में एक-दूसरे को विश्वास दिलाया गया कि हम दोनों नवजीवन की नई शुरूआत करते हुए हसी-खुशी अपना जीवन यापन करेगें । परिवार परामर्श द्वारा जोडों को नवजीवन की शुरूआत की शुभकामनायें देते हुए समझाया गया कि पुरानी बातों को लेकर विवाद नही करेंगे और आपस में प्यार से रहेगें।

नगला मिर्जा में जमीन के विवाद को लेकर मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद - कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला मिर्जा में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस दौरान एक युवक को लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया। पुलिस को खेत की मेड़ काटने, फसल जोतने और फायरिंग की सूचना मिली थी। जिसपर पुलिस मौके पर पहुंची। तो मामला मारपीट का निकला। पुलिस ने फायरिंग की घटना से इंकार किया है। गांव नगला मिर्जा में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। बीती रात दबंगों ने लाठी-डंडों और तमंचे के बल पर खेत की मेड़ काटने के लिए धान की फसल जोत दी थी। धर्मेंद्र सिंह ने पुलिस को जबरन खेत पर कब्जा करने और फायरिंग की सूचना दी थी। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि नगला मिर्जा गांव में जमीनी विवाद के चलते दो पक्षों में कहासुनी हुई थी। उन्होंने फायरिंग जैसी किसी घटना से इनकार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर शांति भंग की कार्रवाई की है।

15 करोड़ से अधिक हस्ताक्षरों वाले ज्ञापन राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम सौंपे

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रवीण शर्मा/ रायपुर । गो सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत सोमवार को रायपुर सहित देशभर के सभी जिलों में 15 करोड़ से अधिक नागरिकों के हस्ताक्षरों वाले प्रार्थना-पत्र संबंधित जिलाधीशों के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए।

रायपुर जिले से 3,87,225 नागरिकों के हस्ताक्षरों सहित प्रार्थना-पत्र कलेक्टर महोदय को सौंपा गया। वहीं पूरे छत्तीसगढ़ से 80 लाख से अधिक तथा संपूर्ण भारतवर्ष से 15 करोड़ से अधिक हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से एकत्रित कर सरकार को प्रेषित किए गए। ज्ञापन के माध्यम से भारत भूमि पर गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गोमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान देने, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना सहित 30 से अधिक प्रमुख मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया गया।

रायपुर जिले की सभी 8 तहसीलों से गौसेवकों ने इस अभियान में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ महायज्ञ, गोमाता पूजन, शंखनाद एवं श्री राम जय राम जय जय राम विजय मंत्र के सामूहिक जप के साथ हुआ।

इसके बाद राजराजेश्वरी माँ महामाया मंदिर (पुरानी बस्ती) से प्रार्थना-यात्रा निकाली गई, जो इंडोर स्टेडियम, नगर निगम होते हुए मोती बाग तक पहुँची। यात्रा में संत-महात्मा, गौसेवक, गोपालक, मातृशक्ति, युवा तथा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

अभियान के प्रतिनिधियों ने कहा कि गोमाता भारतीय संस्कृति, कृषि, पर्यावरण एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने सरकार से सभी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

Tight or loose fit in the humidity? Find out which clothes will give you comfort all day long.

Which clothes are more comfortable in the humidity, tight or loose? Loose-fit clothes are generally considered more comfortable in humid weather. Loose-fit clothes allow for better air circulation, which can help sweat dry faster and reduce stickiness on the skin. Choosing cotton, linen, and light, breathable fabrics is also a good choice. As much as rain brings relief during the monsoon season, the humidity can be equally troublesome. Sweat, stickiness, and clothes sticking to the body can ruin your mood for the entire day. In such a situation, choosing the right fit and fabric becomes crucial, not just fashion. Many people wear tight-fitting clothes to look stylish, while others opt for loose-fit outfits for comfort. But have you ever considered that your choices in humid weather can affect your skin, comfort, and energy levels throughout the day? Choosing the right clothing can not only make you feel more comfortable but also help reduce discomfort and skin irritation caused by sweat. If you want to look fresh and stylish throughout the day at the office, college, or during your daily grind, it's important to know which clothes are best for you in humid weather. Why is loose fit becoming the monsoon fashion trend? Loose-fit clothing allows for better air flow during - humid weather. This can keep the body feeling cooler. The stickiness caused by sweat is reduced. Oversized shirts, relaxed T-shirts, straight-fit kurtas, and wide-leg pants can be stylish and comfortable options for this season. When can a tight fit become a problem? - Clothing that is too tight can trap sweat close to the skin. Constant friction can increase discomfort or skin irritation in some people. If you prefer to wear tight-fitting clothing, choose fabrics that are lightweight, stretchable, and breathable to maintain comfort. The right fabric is more important than fit. In humid weather, not only fit but also fabric is crucial. Clothes made from cotton, linen, cotton-blends, and other breathable materials are generally considered more comfortable. Synthetic fabrics that trap heat and moisture can be uncomfortable for long periods of time. These colors and styles will provide extra comfort. Light colors like white, off-white, sky blue, pastel green, and beige can feel less hot in the sun. Loose co-ord sets, cotton kurtas, linen shirts, ankle-length trousers, and flowy dresses can offer a good balance of fashion and comfort during the monsoon season. Smart fashion tips for looking stylish in the humidity: Avoid excessive layering and choose lightweight clothing. Wear sweat-wicking underwear and comfortable footwear. If possible, carry an extra pair of clothes. This can help you feel fresh throughout the day. Also, wash clothes regularly and wear them only after drying them completely.

Is your heart rate frequently above 100? Is this a red flag?

A normal resting heart rate for healthy adults is generally considered to be 60 to 100 beats per minute. A heart rate consistently exceeding 100 is called tachycardia, which can have many causes. Lifestyle and dietary imbalances have severely impacted heart health, and even younger people are increasingly becoming victims. We all know that keeping a healthy heart requires monitoring blood pressure and cholesterol. But did you know that heart rate also needs to be taken seriously to maintain good heart health? Our heart beats nonstop day and night. With each beat, it delivers oxygen-rich and nutrient-rich blood to every part of the body. But have you ever wondered how many times a minute is considered normal? And what problems can arise if the heart rate remains higher than normal? Let's understand this in detail. First, let's understand what heart rate is. Doctors explain that heart rate refers to how many times your heart beats per minute. Heart rates can fluctuate depending on a person's age, physical activity, stress, and health conditions. Typically, resting heart rates are low, while increasing during exercise, running, or emotional stress. Doctors also consider heart rate an important indicator of a person's heart and overall health. Is your heart rate elevated? Health experts say a normal resting heart rate is generally considered to be 60 to 100 beats per minute. However, it can increase in certain situations. When running, climbing stairs, exercising, or experiencing fear or anxiety, the body requires more oxygen. In these situations, the heart beats faster to ensure adequate blood supply to the muscles. However, if your heart rate is frequently elevated, or consistently higher than normal even at rest, you should be alert. In addition to an increased heart rate, symptoms like chest pain, dizziness, shortness of breath, or fainting should not be taken lightly. How to know your heart rate? Doctors say checking your heart rate is very easy. To determine your heart rate, feel your wrist or neck pulse and count for 60 seconds. It can also be measured using a smartwatch, fitness band, pulse oximeter, or electronic heart rate monitor. If your heart rate consistently exceeds 100 at rest, consult a doctor. Why does your heart rate increase? In situations like exercise, running fast, fear, anxiety, or stress, the body releases adrenaline, which causes the heart to beat faster. Fever, dehydration, anemia, excessive caffeine, smoking, alcohol, and certain medications can also increase your heart rate. Furthermore, if there is a disruption in the heart's electrical system, irregular heartbeats can occur. Regular exercise, good sleep, and stress management are essential for maintaining a normal heart rate. If your heart rate remains elevated, avoid caffeine, smoking, and alcohol. Stay hydrated and eat a balanced diet. If stress is causing your heart rate to increase, deep breathing exercises, yoga, and meditation may be beneficial.

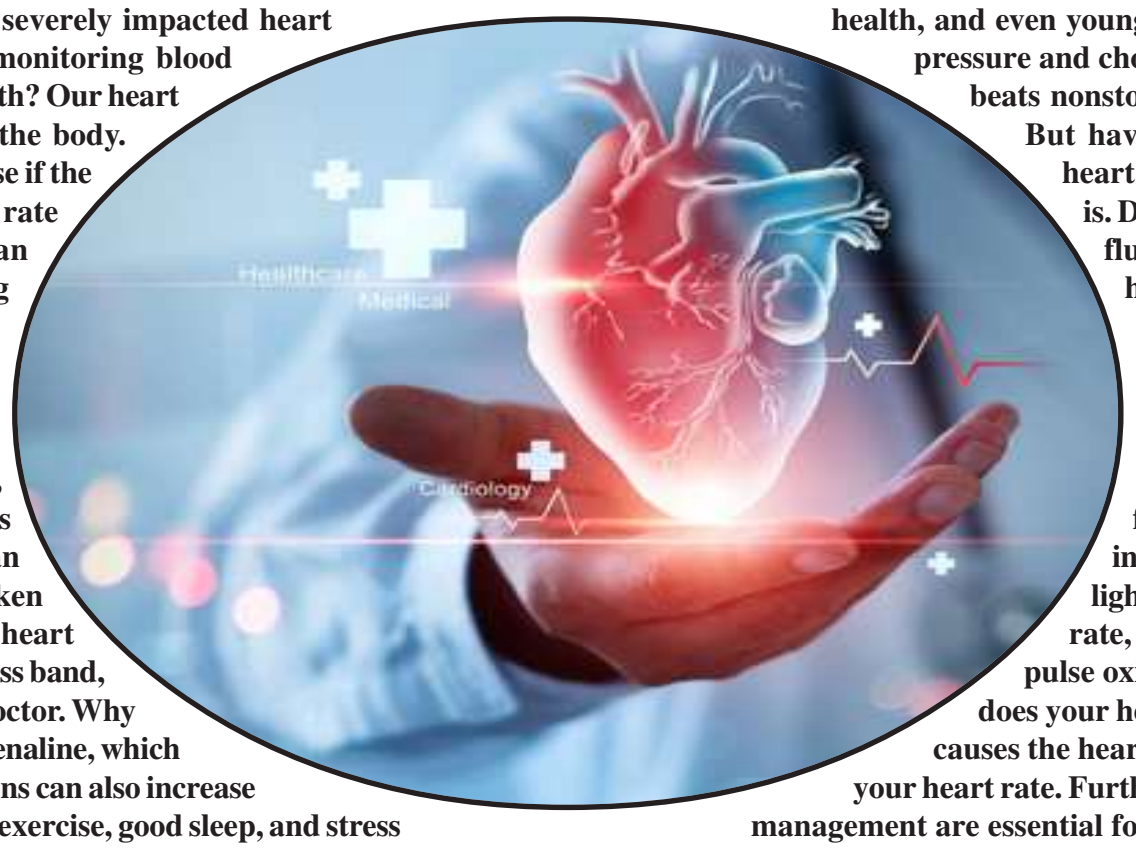

There's a risk of asphyxiation during protests and riots; even a little carelessness can be fatal.

Images of student protests have emerged in several cities, including Delhi. In such an environment, it's crucial to understand what asphyxiation is, what causes it, and what are its early signs. The ongoing protests at Jantar Mantar in the capital, Delhi, are still ongoing. On Wednesday (July 22nd), several policemen were injured in clashes during a protest organized by the CJP. In an incident in Connaught Place on Wednesday, a Delhi Police officer was injured when rioters threw stones and bottles. Several protesters were also injured during the July 20th protest. Health experts say that large crowds and demonstrations pose a constant risk of various health risks, including injuries. The risk of asphyxiation has been particularly high during protests and riots. Investigations into numerous crowded events and stampedes around the world have revealed that a significant number of deaths are caused not only by stampedes and crushing, but also by asphyxiation. Asphyxiation is a condition in which the body lacks sufficient oxygen. This problem is most commonly seen due to smoke or toxic gas exposure, strangulation, and excessive pressure on the chest in a crowd. If not addressed promptly, asphyxiation can be fatal. Risks of asphyxiation during demonstrations: Tear gas, stampedes, and crowds gathering in enclosed spaces can pose risks. In such situations, panic can also exacerbate breathing difficulties. This is why disaster management agencies and medical experts recommend maintaining a safe distance from crowds and recognizing early symptoms during large events or demonstrations. In a published report, we provided information on the health risks of using tear gas during demonstrations. Health experts say that in an emergency like asphyxiation, a small step taken at the right time can save a life. Therefore, not only those participating in the protest, but everyone present should have basic knowledge of this medical emergency. Understand asphyxiation and its risks: Compressive asphyxiation is most common in crowded events. In this situation, a person's chest becomes so compressed that they are unable to breathe normally. If this condition persists for more than a few minutes, the brain, heart, and other organs begin to lack oxygen. Sudden stampedes, police barricades, closed roads, pushing, and panic increase this risk many times. If smoke or tear gas is used during a protest, it can further worsen breathing difficulties. Therefore, it is very important for people to know the symptoms of asphyxiation: Difficulty breathing, chest tightness, difficulty speaking, difficulty speaking, or fainting, blue lips and nails, dizziness, confusion, and panic. What should be done if someone is having trouble breathing? According to the American Heart Association, if someone is unable to speak, has difficulty breathing, or faints during a crowded demonstration, it is a medical emergency and requires immediate medical attention. First, move the person from the crowded area to a safe, open area. Loosen clothing. If the person is breathing, sit them comfortably or place them in the recovery position. If they are not breathing, begin CPR. Do not give water or any medication by mouth, especially if the person is unconscious. Immediately seek help from a local ambulance and transport the patient to a hospital.

"Je Dilwa Me Rahe Ram Ji Naseeb Me Kahe Na": Wife Jyoti Singh's Cryptic Post Accompanies Power Star Pawan Singh's New Song

Jyoti, wife of Bhojpuri industry's power star Pawan Singh, shared a post on social media. She accompanied it with Pawan Singh's recently released breakup song "Naseeb." Pawan Singh

is currently in the news for his "Naseeb." In this song, the power separation from his love. He is seen girlfriend's wedding card, drunk trending widely on social media. Jyoti Singh, has also shared a post in Pawan Singh and Jyoti Singh's serious allegations against her actor divorce case is ongoing in court. social media and often shares her the background. This has happened Pawan Singh? Jyoti shared a post is seen sitting on a swing and flaunts her sindoor. The lyrics of the Naseeb Me Kahe Na" are playing speculating whether Jyoti Singh has Singh's song. Users said, "May you are commenting on Jyoti Singh's to the feud between Pawan Singh stay together. One user wrote, to others. May you both get public wants." Another user wrote, recently released breakup song star is seen grieving the pain of weeping bitterly after receiving his and inconsolably. The song is Meanwhile, Pawan Singh's wife, about the song. A rift has developed marriage. Jyoti has made several husband Pawan Singh. Their Meanwhile, Jyoti is quite active on videos with Pawan Singh's songs in once again. Is wife Jyoti missing on her Instagram account. In it, she reading a book. In the video, Jyoti song "Jehi Dil Me Rahe Raja Ji alongside the video. Netizens are expressed her feelings using Pawan both get together again." Netizens post. Users are praying for an end and Jyoti and wishing for them to "Don't ruin your home by listening together. This is what the whole "May this beautiful couple get together again." It's worth noting that in addition to his films and songs, Pawan Singh is also active in the world of politics. Recently, he became an MLC on a BJP ticket.

Rani Chatterjee shared BTS from the sets of the film "Badki Bahu Chotki Bahu 2"; the Bhojpuri actress was seen dressed as a bride.

Bhojpuri actress Rani Chatterjee is currently busy preparing for her upcoming film "Badki Bahu Chotki Bahu 2." She shared some BTS from the set on Sunday. Rani Chatterjee is a well-

known actress in Bhojpuri cinema, pipeline. Currently, Rani is shooting 2." She often shares glimpses from a video in which she is seen as a bride in a bright red saree - Rani her Instagram account. In the video, wearing a bright red saree and wearing a mangalsutra around her ring. The film's star cast - Along with shooting of the film 'Badki Bahu Aur with full energy." Kajal Raghwani in the film. Jai Yadav, Lado Kanchan Mishra, Prem Dubey, also play important roles. The film who also directs it. The first part was Aur Chhotki Bahu 2" is a sequel to Bahu," released in 2024. It is a Chatterjee and Kajal Raghwani sister-in-law in it. This is a superhit received by audiences for its story, also shared a photo from the set on with several films in the for "Badki Bahu Chotki Bahu the set. On Sunday, she shared bride. Rani seen dressed as a Chatterjee shared a video on she is seen dressed as a bride, traditional jewelry. She is neck, a maang tikka, and a nose the video, he captioned it, "The Chhotki Bahu 2' is going on plays a key role alongside Rani Madhesia, Manoj Tiger, Bina Pandey, and Parul Priya is directed by Manjul Thakur, released in 2024 - "Badki Bahu "Badki Bahu Aur Chhotki family drama film. Rani appeared as sister-in-law and film, which has been well-comedy, and drama. Jai Yadav social media. He wrote, "Love is a family affair. Conflict is also a family affair." The beautiful story of these relationships is - 'Badki Bahu Chhotki Bahu 2'.

Karishma Tanna didn't give up her workout even during her pregnancy; shared photos; the actress will become a mother at the age of 42.

Actress Karishma Tanna is soon to become a mother. The actress is enjoying her pregnancy. Recently, she shared some of her photos on social media. Actress Karishma Tanna is enjoying

her pregnancy. She is taking great care of herself and often shares glimpses of this on social media. Interestingly, she has continued to work out even during her pregnancy. She has shared some of her photos. Karishma Tanna seen working out - Karishma Tanna shared some of her photos on Instagram today, Wednesday. She shared several photos, in which she can be seen enjoying her favorite food and spending quality time with her family. In one photo, she is also seen working out. Karishma said - 'Life nowadays' - Karishma Tanna has previously shared glimpses of her workout sessions on social media during her pregnancy. A few days ago, she posted a video in which she was seen dancing in the gym. With the post shared today, Karisma has written, 'Zindagi aajkal'. Enjoying Kesar Mango - Karisma Tanna is seen enjoying Kesar Mango during her pregnancy. These mangoes were sent to her by Nita Ambani. A special message is also written on the picture shared by the actress. Apart from this, she is also enjoying Chinese food. Karisma and Varun will welcome their first child - Karisma Tanna has also shared a mirror selfie of hers. In one photo, she is seen with husband Varun Bangera. Let us tell you that Karisma and Varun got married in the year 2022. The couple is ready to welcome their first child.